प्रेस विज्ञप्ति

7 जनवरी, 2017

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के 25वें संस्करण का उद्घाटन

"पुस्तकें आज भी हैं, कल भी रहेंगी और निरंतर चलती रहेंगी" ये शब्द माननीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय ने नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान के हंसध्वनि थिएटर में 7–15 जनवरी, 2017 तक आयोजित 25वाँ नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2017 का उद्घाटन करते समय कहे।

डॉ. महेंद्र पाण्डेय ने कहा कि जहाँ पुस्तकें ज्ञान का माध्यम हैं वहीं तनाव, दुख और परेशानियों जैसे सभी क्षणों में शांति प्रदान करने का बहुत बड़ा सहारा हैं पुस्तकें। पुस्तकों के महत्व को कभी कम नहीं आँका जा सकता है।

डॉ. पाण्डेय जी ने यह भी कहा कि हमारे यहाँ पुस्तकों को पूज्य माना जाता है। देश में पुस्तकों के प्रति समर्पण की भावना है। उन्होंने 'श्रीमदभगवद्गीता' में भगवान श्रीकृष्ण के कथन को उद्धृत करते हुए कहा, 'श्रीमद भगवद्गीता' जिन घरों में है मैं स्वयं भगवत रूप में उस घर में उपस्थित हूँ मानो।"

उन्होंने पुस्तकों को 'माँ सरस्वती' का रूप निरूपित करते हुए कहा कि हमारे यहाँ ग्रंथों की परंपरा सुदूर पूर्व में ऋग्वेद से प्रारंभ होकर गीता, रामायण गुरुग्रंथ साहब से आगे वर्तमान स्वरूप में अनवरत जारी है।

इस अवसर पर ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित, प्रख्यात ओड़िया लेखिका डॉ. प्रतिभा राय सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। स्वयं एक लेखिका होने के नाते अपने विचारों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी लेखकों में मानवतावाद विद्यमान होता है चाहे वे स्त्री हों या पुरुष। उन्होंने कहा कि महिला लेखन अत्यंत समृद्ध है एवं इसका अपना अलग अस्तित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि महिला लेखन में विविधता एवं मार्मिकता है। महिला लेखकों ने एकीकृत आध्यात्मिक मूल्यों के साथ समाज को बाँधे रखने का प्रयास किया है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि मंडल के राजदूत, महामहिम श्री टोकाश कोजलॉस्की भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि भारत में प्रकाशन उद्योग बहुत समृद्ध है। भारतीय प्रकाशन उद्योग विश्व के शीर्ष छह प्रकाशन उद्योगों में से एक है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप में भारतीय साहित्य बहुत पढ़ा जाता है तथा विभिन्न भारतीय भाषाओं जैसे हिंदी, मलयालम तथा तमिल में साहित्य का पोलिश सहित अन्य

यूरोपीय भाषाओं में अनुवाद भी किया गया है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष के नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में यूरोपीय देशों का संघ सम्मानित अतिथि देश होगा।

इससे पूर्व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा ने इस अवसर पर उपस्थित अतिथिगण का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एनबीटी के लिए प्रसन्नता एवं आनंद का विषय है कि इस वर्ष यह विश्व पुस्तक मेले की रजत जयंती है। यह विश्व पुस्तक मेले का 25वाँ आयोजन है व इस वर्ष राष्ट्रीय पुस्तक न्यास अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण कर रहा है। इसी उपलक्ष्य में न्यास की 60 वर्षों की यात्रा को प्रस्तुत करने के लिए एक विशेष मंडप लगाया गया है जिसमें एनबीटी की ज्ञान यात्रा को रोमांचक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

श्री बल्देव भाई शर्मा ने बताया कि इस वर्ष मेले की थीम –मानुषी' है जिसमें इस देश की महिलाओं की विद्वतापूर्ण यात्रा को प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि एनबीटी द्वारा स्त्रियों के प्रेरणात्मक जीवन को प्रस्तुत करने के लिए 'नारी अग्रदूत' नाम से पुस्तकमाला प्रकाशित की गई है। साथ ही एनबीटी द्वारा हाल ही में 'वीरगाथा' पुस्तकमाला का भी प्रकाशन किया गया है।

पुस्तक मेले के सह–आयोजक आईटीपीओ की कार्यकारी निदेशक सुश्री सुभ्रा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि एनबीटी के 60 वर्ष पूरे होने पर इस आयोजन का महत्व और बढ़ जाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती अपर्णा शर्मा भी उपस्थित थीं

इस अवसर पर एनबीटी की निदेशक, डॉ. रीता चौधरी ने यहाँ उपस्थित विशिष्ट अतिथियों, लेखकों, प्रकाशकों, वितरकों आदि का उनकी मेले में सक्रिय भागीदारी हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने भारत व्यापार संवर्धन संगठन का भी उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।